हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, मंगलवार 3 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने महिलाओं के साथ तैयार किए सीड बॉल

मण्डला। मंडला विकासखंड अंतर्गत ग्राम मानादेई में जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'बीजांकुर (बीज से वृक्ष तक)' के तहत ग्राम की महिलाओं द्वारा बड़ी संख्या में 'सीड बॉल' (बीज बॉल) तैयार की जा रही हैं। इन सीड बॉल्स को आगामी वर्षा ऋतु में रोपित किया जाएगा, यह जिले में हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। सोमवार को जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट ने स्वयं ग्राम पंचायत मानादेई पहुंचकर महिलाओं के साथ सीड बॉल निर्माण कार्य में सहभागिता की। अधिकारियों ने महिलाओं के इस प्रयास की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसडीएम सोनल सिडाम, एसी ट्रायबल श्रीमति वंदना गुप्ता, उप संचालक कृषि मधु अली, एलडीएम सुजय कुमार, जिला प्रबंधक नाबार्ड देवब्रत पाल सहित समस्त जिला अधिकारी ने भी सीड बॉल बनाएं। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक होगी, बल्कि ग्राम की महिलाओं को स्वरोजगार और सामुदायिक भागीदारी के अवसर भी प्रदान कर रही है। 'बीजांकुर' कार्यक्रम जिला प्रशासन की दूरदर्शिता और जनभागीदारी के माध्यम से विकास को गति देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस प्रकार के प्रयासों से निश्चित रूप से जिले में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर के निर्देश

तीन दिवस में करें प्रकरणों का निराकरण

*** अप्रैल माह की टीएल के प्रकरणों की समीक्षा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

समय सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए उनका सकारात्मक रूप से निराकरण करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि आगामी तीन दिवस में अप्रैल माह की टीएल के प्रकरणों का निराकरण करें। साथ ही आगामी माह में प्राप्त होने वाले टीएल के नियमित रूप से निराकरण सुनिष्चित कराएं। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का जिला अधिकारी स्वयं अध्ययन कर आवश्यक कार्यवाही करें। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, जेपी यादव डिप्टी, कलेक्टर क्षमा सराफ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यकतानुसार आवेदकों से चर्चा करें तथा उन्हें शासन के नियम निर्देशों तथा पात्रता से अवगत कराएं। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि विभागीय अधिकारी अपने कोरवर्क पर फोकस करें। सीमांकन, नामांतरण तथा बंटवारा के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें। एक हजार दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को एक सप्ताह में निराकृत करें, क्योकि यही प्रकरण आगे चलकर समाधान में पहुंच जाते है। कलेक्टर श्री सोमेष मिश्रा ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो को प्राथमिकता से लें। शत प्रतिषत डकवेल रिचार्य पिट बनाना सुनिष्चित करें। जल संरक्षण की विभिन्न गतिविधियों आयोजित करते हुए लोगो को जागरूक करें। चकोर नदी के पुनर्जीवन कार्यक्रम को और बेहतर करते हुए उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। कलेक्टर ने कहा कि 6 जून को चकोर नदी के तट पर वृक्षारोपण किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों उपस्थित रहने के निर्देष दिए।

सीएम डेषबोर्ड के एट्रीब्यूटस को ध्यान से पढें.एवं संबंधित प्रकरणों का निराकरण करते हुए अपने विभाग का स्कोर बढ़ाए। सभी विभाग विभागीय रैकिंग में टॉप-5 में अपना स्थान सुनिष्चित करें। खरीफ सीजन को देखते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि समितियों के पास भण्डारण क्षमता के अनुसार शत प्रतिषत उर्वरक भण्डारण कराएं। किसी भी समिति में किसानों उर्वरक लेने के समय समस्या नहीं आनी चाहिए। आवष्यकतानुसार समितियों की दुकानों का समय निर्धारित कराएं। विकसित कृषि संकल्प अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत गठित दल गांव-गांव पहुंच रहे है। उप संचालक कृषि अभियान में शामिल दल के रूटचार्ट एवं शेड्यूल संबंधित एसडीएम से साझा करें। उन्होंने समस्त एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि इस अभियान में राजस्व अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल हों। अभियान के दौरान नरवाई संबंधित विडियो आदि के माध्यम से किसानों को इसके नुकसानों से आवष्यक रूप से परिचित कराएं। क्षेत्र के वनविभाग की टीम भी इस अभियान में शामिल होकर वनों को आग से होने वाले नुकसान के बारे में कृषको को बताएं। समग्र ईकेवायसी के संबंध में उन्होंने कहा कि इस कार्य की गति बढ़ाएं, सभी ग्रामीण एवं शहरी निकाय आगामी 3 दिवस में 10 प्रतिषत की प्रगति लाना सुनिष्चित करें। बैठक में उपार्जन, बीपीएल सूची, गौ-अभरण, वन अधिकारी अधिनियम, किराय के भवन में संचालित आगंनवाड़ी, मंडी प्रांगण में अतिक्रमण, ई-आफिस, मिषन कर्मयोगी सहित अन्य विषयों समीक्षा करते हुए आवष्यक दिषा-निर्देष दिए गए।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को लेकर बैठक हुई संपन्न

*** आगामी 8 जून को होगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आगामी 8 जून को निःशुल्क जांच एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होने जा रहा है। उक्त शिविर का आयोजन स्वामी सीताराम जी महाराज ट्रस्ट योगिराज हॉस्पिटल मंडला, सहयोगी संस्था बालको मेडिकल सेंटर रायपुर,सिकल केयर सेंटर बिलासपुर, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा और उनकी टीम, समाजसेवी प्रदीप गोस्वामी ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी , सुनील गर्ग, राजेंद्र साहू सहित सभी समाजसेवी बंधुओं के सहयोग से होने जा रहा है। शिविर में सिकल सेल एनीमिया, कैंसर रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, त्वचा रोग सहित अन्य कई बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम उपस्थित रहेगी और लोगों को निःशुल्क उपचार दिया जायेगा साथ ही उपलब्धता अनुसार दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की जाएंगी। शिविर में शुगर, थायराइड के, x-ray, ब्लड प्रेशर एवं अन्य कई जांचे निःशुल्क की जाएंगी। शिविर में मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था भी की गई है। शिविर के आयोजन और उसकी व्यवस्थाओं को लेकर आज बिछिया में महत्वपूर्व बैठक संपन्न हुई जिसमें स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्थाओं हेतु चर्चा और आवश्यक तैयारियों हेतु विधायक नारायण सिंह पट्टा, सत्यनारायण खंडेलवाल, कमल कस्तवार द्वारा रूपरेखा तैयार की गई। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी के सहयोग से इस शिविर का आयोजन मानव सेवा के उद्देश्य से किया जा रहा है, नगरीय क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले नागरिक बंधुओं को निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ मिल सकेगा और विशेषज्ञ डॉक्टर्स से वे परामर्श ले पाएंगे। शिविर में उपलब्धता अनुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया जाएगा ।आज की बैठक में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यनारायण खंडेलवाल, कमल कस्तवार, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के अध्यक्ष समाजसेवी प्रदीप गोस्वामी, वरिष्ठ नागरिक जोश सिंह ठाकुर, पूर्व मंडी अध्यक्ष शिवानंद गोस्वामी, विकास पांडे, शशांक गोस्वामी, झुन्ना ठाकुर, सुनील गर्ग, अक्षत झरिया सहित कई समाजसेवी बंधु उपस्थित रहे।

पात्र हितग्राहियों के ऋण प्रकरण तैयार कराएं-सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय डीएलसीसी की बैठक आयोजित की गई जिसमें रोजगारमूलक योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड तथा बैंक लिंकेज आदि पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में एलडीएम सुजय कुमार, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक (एल डी ओ) श्री अंकुष सिन्हा, जिला प्रबंधक नाबार्ड देवब्रत पाल सहित संबंधित विभागों के प्रमुख एवं सभी बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट ने कहा कि विभागीय अधिकारी योजनाओं के लिए पात्र हितग्राहियों के प्रकरण तैयार कराएं। बैंक शाखाओं द्वारा पिछले वर्षों में किये गए अच्छे प्रकरणों की सफलता की कहानियां तैयार कराएं। इससे अन्य शाखाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनाएं हैं। बैंकर्स को फील्ड में निकलकर नये आइडियाज पर काम करना होगा। आपको यहाँ के पोटेंषियल को समझकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह अच्छा समय है, सभी रोजगारमूलक योजनाओं के प्रकरणों को तैयार करने में बैंकर्स विभागीय अधिकारियों को सहयोग कर सकते हैं। जिससे योजनाओं के लिए अच्छे हितग्राहियों के चयन में विभागों को भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि रोजगारमूलक योजनाओं के प्रकरणों में बैंकर्स सकारात्मक रूख अपनाते हुए उन्हें नियमानुसार स्वीकृति प्रदान करें। लक्ष्य के अनुरूप स्वरोजगार संबंधी योजनाओं के तहत प्राप्त प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान करते हुए उनमें ऋण वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों के फॉलोअप करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं, एसएचजी बैंक लिंकेज, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम स्वनिधि योजना, डेयरी केसीसी, उद्यम क्रांति योजना, बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टण्ट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना आदि के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। बैठक में बैंक शाखा प्रबंधकों को इस हेतु सुझाव दिए गए।

मण्डला नर्मदा नदी में मिला नाबालिग का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मण्डला नर्मदा नदी के माहिष्मती घाट में एनिकट के पास एक लगभग 10 वर्ष के नाबालिक बालक का शव देखने को मिला जो कि लगभग दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है जो कि परिजनों के द्वारा गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी जिसका शव शाम लगभग छह बजे एनीकट के पास मिला जिसका नाम परिजनों के आने के बाद सुरेश पाल पिता सूरज पाल बताया गया जो की मूल निवासी जिला छतरपुर के रहने वाले है लेकिन लगभग 10 वर्षों से वृंदावन गार्डन के पास बिंझिया मंडला में रहते हैं, जानकारी लगते ही पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद जांच में जुटी, नाबालिक की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल सकेगा।

ग्रामीण अंचलों में किया जा रहा क्लोरिनेशन.....

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड मंडला की ब्लॉक स्तर में गठित क्लोरिनेशन टीम द्वारा ब्लॉक मोहगांव के गांव चंदवारा, बिलगांव, सालीवाड़ा ब्लॉक नैनपुर के गांव पायली माल, गोंझी, चंदिया जर, ब्लॉक मवई के गांव नंदराम, कुम्हली , छपरतला, परसवाड़ा, मझगांव, खम्हारिया, अंजनी माल, कोलम गहन, आम गहन, लूरी, सकवाह ब्लॉक घुघरी के गांव पांडकला, सैलवारा, खोड़ा खुदरा, ब्लॉक बिछिया के गांव आमाडोंगरी, बीजेगांव, उमरिया माल ब्लॉक बीजाडांडी के करौंदी खम्हारिया गांव में जाकर पेयजल स्त्रोतों कुआं, हैंडपंप एवं ट्यूब वेल में जर्मेक्स डाल कर क्लोरिनेशन किया गया एवं पंचनामा तैयार कर हैंडपंपों में क्लोरिनेशन संबंधित स्टीकर लगाये गए। साथ ग्रामीणों को नियमित रूप से पानी जांच कर शुद्ध पेयजल के उपयोग करने हेतु एवं पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता रखने के साथ साथ जल स्तर बढ़ाने हेतु रिचार्ज संरचनाओं के निर्माण की जानकारी दी गई।

उपलब्धि | **कोतवाली पुलिस ने 18 लाख कीमत के 120 मोबाइल मालिकों को सौंपे।**

पोर्टल का उपयोग कर 1676 मोबाइल किये ट्रेस

*** मोबाईल फोन खो जाये तो CEIR पोर्टल पर करें शिकायत।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला पुलिस द्वारा भारत सरकार के CEIR पोर्टल (Central Equipment Identity Register) का समस्त थानों में सत-प्रतिशत उपयोग कर गुम मोबाइल की ट्रेसिंग की जा रही है। इस तकनीकी पहल के सकारात्मक परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में जिले के विभिन्न थानों द्वारा कुल 584 मोबाइल फोन ट्रेस कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए हैं। इसके अतिरिक्त, CEIR पोर्टल की मदद से 2024 से अब तक कुल 1676 मोबाइल फोन ट्रेस किए जाकर संबंधित व्यक्तियों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। इसी क्रम में, आज थाना कोतवाली मंडला की सायबर टीम द्वारा अनुमानित 18 लाख रुपये कीमत के कुल 120 गुम मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ट्रेस कर वास्तविक धारकों को सौंपे जा रहे हैं।

यदि किसी नागरिक का मोबाइल फोन खो गया है या चोरी हो गया है, तो वह निम्न आसान चरणों से शिकायत दर्ज कर सकता है- नजदीकी थाने में जाकर मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराएं। मोबाइल का IMEI नंबर (बिल/बॉक्स पर लिखा होता है) अपने पास रखें। https://ceir.gov.in पर जाएं। "Block Stolen/Lost Mobile" विकल्प चुनें और मांगी गई जानकारी भरें। आवश्यक दस्तावेज़ अपलोड करें और फॉर्म सबमिट करें। मोबाइल ब्लॉक हो जाएगा, जिससे उसका दुरुपयोग नहीं हो सकेगा। मोबाइल मिल जाने पर "Unblock Found Mobile" के विकल्प से पुनः चालू कराया जा सकता है।

मंडला पुलिस सभी नागरिकों से निवेदन करती है कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में घबराएं नहीं। तुरंत थाना जाकर रिपोर्ट दर्ज कराएं और CEIR पोर्टल के माध्यम से शिकायत करें। यह प्रक्रिया सरल, सुरक्षित और पूरी तरह निशुल्क है।

उक्त मोबाईल फोन रिकवर की कार्यवाही में एसडीओपी मण्डला पीयूष मिश्रा के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान, सायबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक हिमांशु चौहान सायबर नोडल थाना से पुनीत जंघेला, धीरेन्द्र रुगदिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं। उल्लेखनीय है कि मोबाईल रिकवरी एवं पोर्टल के सफल संचालन हेतु पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश द्वारा मंडला पुलिस टीम की प्रशंसा कर पोर्टल के क्रियांवयन में लगी टीम को नगद राशि से पुरुस्कृत किया गया है।

पूर्व मुख्य मंत्री राज्य सभा संसद दिग्विजय सिंह के नगर आगमन पर कांग्रेश कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

विगत दिवस प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री राज्यसभा सांसद मध्यप्रदेश दिग्विजय सिंह, का दौरा कार्यक्रम के दौरान देर शाम बिछिया पहुंचे जिनका ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के द्वारा ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय गांधी गेट के बाजू में राजा साहब का ढोल नांगाडे आतिशबाजी के साथ हर्षोल्लास से फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया इस अवसर पर विधायक नारायण सिंह पट्टा पूर्व विधायक संजू उइके वरिष्ठ नेता ज्योतसिंह ठाकुर, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी अशोक ज्योतिषी शिवानंद गोस्वामी, सुनील गर्ग, राजेंद्र साहू दादा भाई विश्वकर्मा, जुन्ना ठाकुर टेकराम राय, विकास पांडे, अरूण पांडे शशांक गोस्वामी, अक्षत झरिया सहित सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का स्वागत किया।

खबर संक्षेप

खुलेआम बिजली तारों में कंटी लगाकर की जा रही बिजली चोरी, अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर आम उपभोक्ताओं को बिजली विभाग द्वारा मनमाने बिल देते हुये उनसे बसूली की जा रही है तो दूसरी ओर खुलेआम हो रही बिजली चोरी की सच्चाई को बिजली विभाग के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि बिजली चोरी करने वालों के हौसले लगातार बुलंद होते चले जा रहे है। सालीचौका में खुलेआम हो रही बिजली चोरी को लेकर क्षेत्र के लोगों का कहना है कि क्षेत्र जिस प्रकार बिजली विभाग द्वारा अपने निष्ठावान उपभोक्ताओं को मनमाने बिल दिये जा रहे है उसमें वह बिल भी शामिल किये जा रहे है जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार कायम थी और उसके द्वारा सभी के बिद्युत बिल माफ करने की बात कहने के साथ साथ कोरोना काल के दौरान प्रदेश की वर्तमान सरकार द्वारा भी उपभोक्ताओं के बिजली बिलों को माफ करने की घोषणा की गई थी। मगर अब देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा पूर्व में शून्य किये गये बिलों को जोड़कर आम उपभोक्ताओं से बसूली की जा रही है जिसके चलते जहां निष्ठावान विद्युत उपभोक्ता जहां बिजली विभाग की मनमानी से परेशान होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर चोरी से बिजली का उपयोग करने वाले अधिकारियों की कृपा दृष्टि के चलते मजे में दिखाई दे रहे है..? बताया जाता है कि जिस तरह बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के घरों में मीटर लगाते हुये उसकी रिडिंग के आधार पर बिल बसूले जाते है उसी प्रकार से सालीचौका क्षेत्र के लिये भी निर्धारित मात्रा में उच्च स्तर पर बिजली सप्लाई करते हुये उसका लेखा जोखा रखा जाता है और संपूर्ण क्षेत्र का लेखा जोखा करते हुये संबंधित वितरण केन्द्र के कार्यालय को बसूली का जिम्मा सौपा जाता है। वितरण केन्द्र को उच्च स्तर से मिले हुये बिल में चोरी से बिजली उपयोग करने वालें की खपत भी शामिल हो जाती है और उसी अंतर को पूरा करने के लिये स्थानीय स्तर पर बिजली विभाग द्वारा निष्ठावान उपभोक्ता जिनके घरों में मीटर लगे हुये होते है उनके बिलों में इजाफा करते हुये बसूली की जाती है? क्योंकि उदाहरण के लिये देखा जावे तो संपूर्ण सालीचौका क्षेत्र में मान लिया जावे एक माह में 100 यूनिट बिजली प्रदान की गई है जिसमें 50 यूनिट बिजली निष्ठावान उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग की गई और 50 यूनिट बिजली चोरी हो जाती है। मगर वितरण केन्द्र को तो ऊपर 100 यूनिट बिजली का ही हिसाब व बिल देना होता है इस तरह चोरी हुई बिजली का हिसाब मिलाने के लिये उनके हिस्से का बिल भी ईमानदार उपभोक्ताओं के बिलों में जोड़कर बसूल करने से नही चूकते है और इसी का परिणाम है कि बिजली चोरी करने वालों के हौसले बुलंद होने से वह बगैर पैसा खर्च किये हुये अधिकारियों की कृपा दृष्टि से बिजली का उपयोग करने से नही चूक रहे है? क्योंकि बिजली विभाग के अधिकारी यदि निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करने लगे तो एक यूनिट बिजली चोरी होना भी संभव नही हो सकता है? मगर जब जिम्मेदार अधिकारियों की बिजली चोरी करने वालों पर कृपा दृष्टि बनी होगी तो बिजली चोरी को रोकना भी संभव नही हो सकता है? और इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में जहां तहां बिजली लाईनों से कंटी फसी हुई आसानी से देखने मिल रही है जहां पर आये दिन बिजली विभाग के अधिकारियो से लेकर कर्मचारियों का आना जाना लगा रहने के बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना निश्चित तौर से अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करते हुये संदिग्ध बनाने से नही चूक पा रही है?

जान जोखिम में डालते हुये अधिकारी कर्मचारी काम करने के लिये हो रहे मजबूर

खस्ता हाल स्थिति में पहुंच चुके नगर के आबकारी कार्यालय

खंडहर स्थिति में पहुंच रहे शासकीय भवनों की अनदेखी का परिणाम....

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

इस समय सिर्फ शहर ही नही बल्कि संपूर्ण क्षेत्र में शासन द्वारा अपनी राशि खर्च मरते हुए जिस प्रकार से भवनों का निमार्ण कार्य कराया जा रहा है उसके चलते लगातार देखा जा रहा है कि अब हर गांव में शासकीय भवन दिखाई दे रहे है। वही दूसरी ओर यदि नगर में शासकीय भवनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस प्रकार से शासन के विभिन्न मदों से नगर में भवनों निर्माण हुआ है उसके चलते स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि अब शासकीय भवनों की गिनती करना भी मुश्किल होने लगा है जिसका परिणाम है कि अनेक भवन तो इस प्रकार से दिखाई दे रहे है कि शासन द्वारा उन भवनों के निर्माण को लेकर जिस उद्धेश्य से राशि खर्च की गई है उन भवनों में शायद ही उनका अतिथियों द्वारा फीता काटने के बाद नगर के किसी व्यक्ति द्वारा उपयोग किया गया हो...? वही दूसरी ओर नगर में वर्षो पुराने भवन जिस प्रकार से खंडहर होते हुए दिखाई दे रहे है उन्हें देखकर अनुमान लग रहा है कि यदि सरकार द्वारा नगर में करोड़ो की राशि खर्च करते हुए जिस प्रकार से नगर से दूर व पहुंच विहीन जगहों पर सरकारी भवनों का निर्माण किया गया है जो आम लोगों के लिये अनुपयोगी साबित तो हो ही रहे है वही इनके निर्माण में सरकारी राशिस खर्च करने का औचित्य भी समझ परे होने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो जिन विभागों के कार्यालय पहले से ही सर्व सुविधा युक्त बने हुये है। मगर शासन द्वारा उन्ही विभागों को पुनः राशि अवटित करते हुये नये कार्यालय बनाने का कार्य किया जा रहा है। मगर दूसरी ओर जो सरकारी कार्यालय खंडहर की स्थिति में पहुंचने के साथ वहां पर अपनी जिन्दगी दांव पर लगाते हुये यहां पदस्थ अधिकारी कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुये देखे जा रहे है। इस बात की सच्चाई नगर के चीचली मार्ग के बाजू में स्थित आवकारी कार्यालय में देखने मिल रही है। कहने के लिये तो आवकारी विभाग प्रदेश सरकार के राजस्व में इजाफा करने के लिये अहिम माना जाता है। मगर इसके बाद भी इस विभाग के भवन की स्थिति देखते हुये लोग हैरत में पड़ने से नही चूकते है। क्योंकि पूर्णरूप से खस्ताहाल स्थिति में पहुंच चुके इस भवन के अंदर अपनी जिन्दगी दांव पर लगाते हुये अधिकारियों व कर्मचारियों को काम करते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि इस भवन में जिस तरह कीमती माने जाने वाली सरकारी संपत्ति रखी जाती है उसकी सुरक्षा भी भगवान भरोसे होने से नही चूक पा रही है..? भवन के हालत इस तरह बन चुके है कि जहां चारों ओर दीवारे टूटते हुये देखी जा रही है। वही छप्पर का हाल तो इस तरह बना हुआ है कि कब गिर जावे किसी को पता नही..? मगर हैरत की बात है कि इस तरह दुर्दशा का शिकार हो रहे इस आवकारी कार्यालय भवन की ओर किसी तरह का ध्यान न देना विकावादी सोच रखने वाले जिम्मेदारों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिनह लगाने में कोई कसर नही छूट पा रही है? इतना ही नही नगर में बने हुये अन्य सरकारी भवनों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो आमजन का कहना है कि नये भवनों के निर्माण के नाम पर जिस तरह सरकारी राशि खर्च की जा रही है यदि वह राशि खर्च करते हुए खंडहर हो रहे इन सरकारी भवनों में लगाई गई होती तो निश्चित ही इन भवनों की सूरत बदल जाती तथा आमजन के लिए काफी हद तक उपयोगी भी शाबित होने लगते? यह बात सर्व विदित है कि नपा.लोक निर्माण विभाग एवं नजूल विभाग की बहुत सी कीमती भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुकी है और वर्तमान में भी लगातार चढ़ती चली जा रही है। गौर किया जावे तो पिछले सालों में प्रशासन की तरफ से शासकीय भूमि को लोगों से मुक्त कराने के लिए अतिक्रमण अभियान जरूर चलाये गए थें। लेकिन नतीजा हकीकत मे सिफर रहा है, जिसकी वजह से शासन की जिस जमीन पर बेरोजगार युवकों के लिये दुकाने, व्यवसायिक काम्लेक्स या गरीबों के लिए छोटे आवास बनने थे उसे पर नगर में स्वार्थी व्यक्तियों ने अपने कब्जे मे ले लिया है? उल्लेखनीय है कि प्रशासन तंत्र को सरकारी जमीन बचाने मे तो कोई खास कामयाबी नही मिली, इसके साथ ही वह पुराने शासकीय भवनों की सुरक्षा के प्रति भी लापरवाह नजर आ रहा है? इसकी मिसाल नगर के पलोटन गंज मे स्थित पुराने जनपद तथा कृषि विभाग की खंडहर मे तब्दील हो रही इमारत की शोचनीय दशाा पेश कर रही है। बताया जाता है कि शासन की इस बहुमूल्य जमीन पर बने उक्त विशाल भवनों की सुन्दर बनावट, इनमे लगें रोशन दान, प्रयुक्त की गयी सागौन की लकड़ी पर बरबस आज भी शहरवासियों का ध्यान जाता है तो वे लोग इनके मालिक शासन प्रशासन को कौसे बिना नही रहते है। ज्ञातव्य है कि अपने अतीत पर आँसू बहा रहे जनपद पंचायत भवन मे वर्षो तक जनपद पंचायत का कार्यालय रहा है जहां पर बाद मे सभी काम काज विकासखंड सांईखेड़ा के तहत होने की स्थिति मे उक्त भवन पर ताले लग गए। फिलहाल पुलिस थाने के सामने की धर्मशाला के साथ ही पलोटन गंज का जनपद भवन विकासखंड सांईखेड़ा के आधिपत्य मे है। परन्तु जर्जर होते चले जाने के बावजूद इन भवन के जीर्णोद्धार के सार्थक प्रयास नही किए जा रहे है, जिससे आशंकाएँ व्यक्त की जा रही है कि पुराना जनपद भवन कभी भी धराशायी हो सकता है, लगभग यही हाल पलोटन गंज शक्ति धाम मंदिर के पीछें कृषि विभाग के अधीन आने वाले बड़े भवन का भी जान पड़ रहा है? जो मौजूदा दौर मे बताया जाता है कि कृषि विभाग के इस भवन की कीमत लगभग एक करोड़ रूपए से अधिक है? जिसमें तोड़ फोड करते हुए एक अलग भवन का निर्माण तो हो गया है। मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो यदि इस भवन का बड़ी अच्छी सोच के साथ निर्माण किया गया होता तो और अधिक उपयोगी साबित हो सकता था? ज्ञातव्य है कि इन भवनों के तालों मे जंग लग गयी है और इस इमारत की सुधि लेने मे बरती जा रही उदासीनता का परिणाम है कि इन भवन की दीवारे और ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त होता चला जा रहा है। इसकी अग्रभाग की बहुत बड़ी दहलान की दुरवस्था तो जग जहिर है ही साथ ही वास्तविकता यह भी है कि आमजनों ने इन भवन को प्रसाधन केन्द्र मे परिवार्तित कर इसके आंतरिक हिस्से को भीषण गंदगी से सरोबार कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक बहर हाल लगातार इन जर्जर हो रहे भवनों की बेश कीमती सागौन की लकाड़ियों चोरी होती चली जा रही है और रात मे असामाजिक तत्वों की कार गुजारियों का यह अड्डा बन गये है? जागरूक नागरिको का कहना है कि प्रशासन का दायित्व है कि वह शासन की भूमि, भवनो की हिफाजत करें मगर यहाँ तो उलटी गंगा बह रही है, जो शासकीय भवन ऑधी, वर्षा सहते हुए किसी प्रकार अपने अस्तित्व को बचाये हुए है उन्हे भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है, यदि शासन द्वारा इन भवनों को तोड़कर काम्पलेक्स का निर्माण करा देती है तो निश्चित तौर से इन भवनों में निकलने वाली दुकानों से अनेक बेरोजगार अपनी दुकानदारी करते हुए अपना भरण पोषण कर सकते है। वही दूसरी ओर शासन को भी प्रतिमाह हजारों रूपया की आये होने लगेगी? मगर खंडहर हो रहे इन भवनों की ओर न तो शासन प्रशासन के अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही जनपद विभाग? आमजन द्वारा अधिकारियों से अपेक्षा की है कि उक्त भवनों को सुरक्षित कराने की दिशा मे पहल करें, जिससे लोगों को लाभ मिलने से साथ साथ शासन की आय में बढ़ोत्तरी तो होगी ही वही इस नगर को सुन्दरता भी मिल जावेगी।

सहावन गांव में बह रही धर्म की गंगा में गोता लगा रहे क्षेत्रवासी, भगवान शिवजी को विल्व पत्र अर्पित करने से होते हैं प्रसन्न- आचार्य नरेन्द्र शास्त्री

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका

इस समय चल रहे ज्येष्ठ मास के दौरान जहां चारों ओर धार्मिक आयोजन होते हुये देखे जा रहे है। वही समीपस्थ ग्राम सहावन में जिस तरह पंच कुण्डीय श्रीरूद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीराम कथा सहित श्री शिव महापुरायण तथा श्रीमद् भागवत महापुराण महोत्सव के चलते गांव में अनोखा महौल दिखाई पड़ रहा है। ग्राम सहावन में 29 मई से 4 जून तक आयोजित हो रहे पंच कुण्डीय श्रीरूद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीरामकथा ग्राम के हर व्यक्ति में अनोखा उत्साह देखने मिल रहा है। इस आयोजन में वक्ताओं के रूप में पधारे वाले संतों में मुख्य रूप से किशोरी मांडवी वृंदावन धाम द्वारा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक भगवान श्रीराम की कथा सुनाई जावेगी। वही दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आचार्य पं.नरेन्द्र कृष्ण शास्त्री इटारसी वालों द्वारा शिव पुराण की कथा सुनाते हुये भाव विभोर किया जा रहा है। वही आचार्य पं.ऋषभ उपाध्याय द्वारा भगवात कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के वर्णन से भक्तों को झूमने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इस तरह ग्राम सहावन में बह रही धर्म की गंगा में संपूर्ण क्षेत्रवासी जहां गोता लगाते हुये अपने आपको प्रयाग राज के स्नान की तरह महसूस करते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर प्रतिदिन जिस तरह महिलाओं सहित शिव भक्तों द्वारा रूद्री निर्माण करते हुये शिव अभिषेख में मग्न रहने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर कथा के पांचवे दिवस शिव पुराण की कथा के दौश्रान आचार्य नरेन्द्र शास्त्री द्वारा बिल्व पत्र के महत्व से भक्तों को अवगत कराया गया। उन्होने ने बताया कि भगवान शिव जी की पूजन के दौरान रूद्राक्ष धारण करने के साथ भस्म लगाकर पूजा करने से भगवान प्रसन्न होते है। यदि किसी व्यक्ति को रूद्राक्ष धारण करने के साथ भष्म लगाये हुये व्यक्ति के दर्शन हो जाते है तो मानों शिव जी के साक्षत दर्शन हो गये। वही कथा के दौरान बताया गया कि बेलपत्र को भगवान शिव के प्रिय वस्तु के रूप में चित्रित किया गया है। यह माना जाता है कि बेलपत्र शिवजी को प्रसन्न करता है और उनकी पूजा में इसे चढ़ाने से भक्तों को शुभ फल प्राप्त होते हैं। एक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब विष निकला, तो शिव ने उसे अपने गले में धारण कर लिया था। विष के प्रभाव से उन्हें राहत देने के लिए बेलपत्र उन्हें चढ़ाया गया, क्योंकि बेलपत्र में विष निवारक गुण होते हैं। वही दूसरी ओर बेलपत्र माता पार्वती का प्रतीक है, जो भगवान शिव की पत्नी हैं। इसलिए, बेलपत्र को शिवजी पर चढ़ाने से माता पार्वती की कृपा भी प्राप्त होती है। बेलपत्र की तीन पत्तियाँ शिव के तीन नेत्रों का प्रतीक मानी जाती हैं। इसलिए, इसे भगवान शिव को चढ़ाना विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि बेलपत्र से पूजा करने पर दरिद्रता दूर होती है और सौभाग्य का उदय होता है। बेलपत्र की जड़ की गंध से पूजा करने से व्यक्ति को शिवलोक की प्राप्ति होती है। वही मान्यता है कि 6 पत्तियों वाला बेलपत्र चढ़ाने से पाप और कष्टों से मुक्ति मिलती है। इन कथाओं के अनुसार, बेलपत्र को भगवान शिव की पूजा में एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है और इसे अर्पित करने से भक्तों को शिव की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है। शिव पूजा में भगवान महादेव की आराधना में बेल पत्र यानि बिल्व पत्रों को विशेष महत्व है। मान्यता है कि आस्था के साथ शिवलिंग पर सिर्फ बिल्व पत्र ही अर्पित किये जाएं तब भी भगवान भोले अपने भक्त की हर मनोकामना पूर्ण करते हैं। जानकारी के अनुसार बिल्व पत्र के वृक्ष को 'श्री वृक्ष' और 'शिवद्रुम' भी कहते हैं. बिल्वाष्टक और शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय हैं। मान्यता है कि बेल पत्र के तीनों पत्ते त्रिनेत्रस्वरूप भगवान शिव के तीनों नेत्रों को विशेष प्रिय हैं. बिल्व पत्र के पूजन से सभी पापो का नाश होता है। वही स्कंद पुराण के अनुसार, एक बार माता पार्वती के पसीने की बूंद मंदराचल पर्वत पर गिर गई और उससे बेल का पेड़ निकल आया। चुंकि माता पार्वती के पसीने से बेल के पेड़ का उद्भव हुआ। अतः इसमें माता पार्वती के सभी रूप बसते हैं. वे पेड़ की जड़ में गिरिजा के स्वरूप में, इसके तनों में माहेश्वरी के स्वरूप में और शाखाओं में दक्षिणायनी और पत्तियों में पार्वती के रूप में रहती हैं। फलों में कात्यायनी स्वरूप व फूलों में गौरी स्वरूप निवास करता है. इस सभी रूपों के अलावा, मां लक्ष्मी का रूप समस्त वृक्ष में निवास करता है. बेलपत्र में माता पार्वती का प्रतिबिंब होने के कारण इसे भगवान शिव पर चढ़ाया जाता है। वही आयोजन के पांचवे दिवस चार बजे से आचार्य ऋषभ उपाध्याय द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मार्मिक रूप से वर्णन सुनाते हुये कहा कि जब किसी व्यक्ति को भागवत कथा सुनने का अवसर मिलता है तो मानों उसके भाग्य का उदय हो गया और जन्म जन्मांतरों का पुण्य मिल गया। भागवत कथा सें संत्संग मिलता है। इस दौरान उन्होनें ने भक्ति ज्ञान व बैराग्य की कथा सुनाई गई। इस दौरान बताया कि भगवान कृष्ण द्वारा अपनी बाल अवस्था में जिस तरह से लीलाये दिखा रहे थें उससे सभी लोग हैरत में पड़ने से नही चूकते थें। उनके द्वारा जिस तरह से माखन चोरी की जाती थी ओर पिटाई लगती थी उनके दोस्तों की ओर वह बडे ही सज्जन बनकर अपनी माता के सामने खड़े हो जाते थें। गौमाता के महत्व का वर्णन सुनाते हुये कहा कि हमारे घर में जब गाय होती है तो मानों चारों धाम के देता मौजूद रहते है। कभी भी घर में लगे हुये तुलसी को पेड़ व गाय को पशु समझने की भूल नही करना चाहिये। क्योंकि तुलसी के पेड़ वह शक्ति होती है कि लोग अनेक बीमारियों से निजात पा सकते है और इसी प्रकार से गाय माता के दूध को पीकर ही हम लोग बुद्विमान व शक्ति शाली बनते है। वही गाय के गोवर से यदि जिस किसी के घर का द्वार लीपा गया है तो उस घर में भगवान वास करते है। मगर लगातार डिजिटल होते चले जा रहे समय में महिलाये गाय का गोबर छूने से डरती है में तो कहता है कि जो महिलाये प्रतिदिन अपने हाथ से गाय का गोबर उठाती है उनकों किसी भी प्रकार के चर्म रोगों छू भी नही सकते है । क्योंकि गाय माता के गोबर में वह शक्ति होती है। हमारे यहां गायों की पूजा होती है लेकिन आज हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं। जो गाय पूजनीय है, मगर आज वह दयनीय हो गई है। इस पर विचार करें। उसकी इस दशा के कारण हम ही हैं। गाय अपना भी पोषण करेगी और हमारा भी। लेकिन अपना पोषण तभी होगा, जब हम गाय माता का शोषण रोकेंगे। मगर पता नही जिस गाय से हमारे घर में सुद्वता के साथ साथ हमारे घर को खुशी प्रदान करते हुये उसके दूध के माध्यम से निरोगी व वुद्विमान बनाती है। हम उसी गाय को घर से निकालते चले जा रहे है। यह चिंताजनक सच्चाई है और आज मानव जीवन इसका ही परिणाम भोगते हुये परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इसी प्रकार से वृंदावन धाम से पधारी किशोरी मांडवी द्वारा भगवान राम की कथा का वर्णन सुनाते हुये सही भोगो को मग्न मुग्ध कर दिया गया था। इस तरह प्रतिदिन देखने मिल रहा है कि यज्ञ वेदी की परिक्रमा लगाने तथा संतों का सत्संग पाने के लिये भक्तों का जन समूह उमड़ने से नही चूक रहा है।

डॉक्टर क्लब का हुआ गठन, अरविंद्र जैन अध्यक्ष तो सचिव का दायित्व डॉ.मेहरा के पास

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

निश्चित तौर से कोई भी संस्था हो या फिर समूह संगठन को महत्व इसलिये दिया जाता है कि संगठन में एकता का परिचय देखने मिलता है। इसलिये कहा जाता है कि संगठन की मजबूती के सामने कोई टिक नही पाता है..? इसी बात को ध्यान में रखते हुये नगर के डाक्टरों द्वारा अपने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिये बीते हुये दिवस बैठक का आयोजन करते हुये नय पदाधिकारियों का मनोयन किया गया है। बताया जाता है कि नगर के डाक्टर राकेश बोहरे का संयुक्त संचालक भोपाल के पद पर चयन होने के चलते सभी नगर के डाक्अरों द्वारा उन्हे विदाई देने के बाद अपने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिये नये पदाधिकारियों का मनोयन करते हुये वरिष्ठ चिकित्सक व डाक्टर क्लब के संस्थापक सदस्य नव नियुक्त पदाधिकारियों को निष्ठा की शपथ दिलाई गई। क्लब में पदाधिकारियों के मनोयन प्रक्रिया के दौरान डॉ डीएस चौधरी, डॉ जितेन्द्र महाजन, डॉ परेश जैन, डॉ किरण जैन, डॉ स्वाति कुरचानिया, डॉ अरविंद जैन, डॉक्टर उमाशंकर दुबे, डॉक्टर विजय धनारे के मार्गदर्शन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। वही मौजूद सभी सदस्यों की सहमति उपरांत डॉ अरविंद जैन को नये डॉक्टर क्लब का अध्यक्ष मनोनीत किया गय। इसी क्रम में उपाध्यक्ष डॉ बबीता सिंह एवं डॉ उपेन्द्र सिंघई तथा सचिव का दायित्व डॉ आशुतोष मेहता तो सह सचिव हेतु डॉ अनामिका जैन को नियुक्त किया गया है। वही कोषाध्यक्ष डॉ अनिल पटेल तथा मीडिया प्रभार हेतु डॉ योगेश तिवारी के नाम पर सहमति हुई। वही डॉ संगीत जैन को सीएमई कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया। इस संबंध में डाक्टरों का कहना है कि इस कार्यकारिणी का उद्देश्य शहर एवं आस पास से आने वाले मरीजों को उच्चतम स्तर का इलाज सुनिश्चित किया जाना और आपसी सहयोग एवं सामंजस्य से शहर में चिकित्सा के नए विश्वसनीय स्तर को बनाए रखना है। क्योंकि आज के समय में चिकित्सा के क्षेत्र में हर दिन एक नई रिसर्च सामने आ रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये इस डाक्टर क्लब की कार्यकारिणी का उद्देश्य है कि उसके सदस्यों को नई रिसर्च से अपडेटेड रखने एवं समय-समय पर एकेडमिक सेशन का आयोजन करना जिससे हम सभी नई चिकित्सा पद्धतियों के अनुरूप अपनी कार्य कुशलता को बढ़ाते रहें। इस दौरान डॉक्टर क्लब के संस्थापक सदस्यों में से डॉक्टर डी एस चौधरी द्वारा नए सदस्य को पद एवं कर्तव्य की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर मुख्य रूप से डॉ संजय मोदी, डॉ अभिनव जैन, डॉ संदीप, डॉ उपेंद्र वस्त्र कार, डॉ राठौरिया, डॉ भावना जैन, डॉ उमा काबरा, डॉ शाश्वत जैन डॉ विजय पटेल, डॉ उपेन्द्र कोरी मौजूद थें।

ग्रामीण क्षेत्रों में चालू कम, बंद ज्यादा पड़ी हुई नलजल योजनायें, शोभा की सुपारी साबित हो रही लाखों की राशि से बनी टंकी

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर

शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा की दृष्टि से भले ही नल-जल योजनाओं का गांव गांव शुभारंभ किया जा रहा हो जिसके चलते सरकार का प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया भी पानी के नाम पर पानी की तरह ही बहते हुए देखा जा रहा है। लेकिन इन योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसके सच्चाई क्षेत्र की अनेक पंचायतों में देखने आसानी से मिल सकती है? क्योंकि सरकार द्वारा पूर्व में लाखों रूपया खर्च करते हुए अनेक पंचायतों में इस नल जल योजना का शुभारंभ तो कर दिया गया था। मगर वह सिर्फ कागजों तक ही सीमित होकर रह चुकी है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में शुभारंभ के कुछ समय बाद से ही यह योजनाएं बंद पड़ी हुई हैं। बताया जाता है कि नलजल योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की सुविधा के लिए पंचायत स्तर पर शासन प्रशासन द्वारा नल-जल योजना और स्थाई जल योजना चलाई गई थी, जिसके चलते कई पंचायतों में इन योजनाओं का शुभारंभ भी किया गया था। लेकिन योजनाओं से ग्रामीणों को कोई खास लाभ नहीं मिल पा रहा है और जल संकट हर तरफ बढ़ता ही जा रहा है। हालाकि इन योजनओं का उद्देश्य ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है। लेकिन इस योजना के तहत डाली गई लाईनों से पानी सप्ताह में एकाध बार भी पानी सही ढंग से नहीं मिलता है। इतना ही नही कई पंचायतों की स्थिति तो इस प्रकार से है कि नलकूपों में बीते लम्बे समय में ताला डला हुआ है। इस सच्चाई के चलते इस योजना के नाम पर शासन के पैसों की बर्बादी ही जान पड़ रही है? इन योजनाओं के बंद होने का कारण भी अलग अलग है। कुछ जल स्त्रोत सूखने, बिजली कनेक्शन कटने तथा अन्य कारणों से बंद हैं। पीएचई विभाग द्वारा इन योजनाओं के शुरू होने के बाद बंद होने पर सूचना मिलने पर भी रूचि न लेकर बंद होने के कारणों को खत्म करने का प्रयास नहीं किया जाता है और न ही दुरूस्तीकरण में कोई रूचि दिखाई जाती है, जिसके चलते आज भी अनेक पंचायतों में ये योजनाएँ बंद पड़ी हुई या फिर होती जा रही हैं। इस योजना को लेकर पीएचई विभाग के अनुसार नल-जल योजना 2 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है तथा इस योजना के तहत एक ट्यूबवैल से अनेक नल कनेक्शन पाईप लाईन में बिछाकर दिये जाते हैं। घरों में कनेक्शन के बाद पानी की सप्लाई पंचायत स्तर से प्रति दिन या फिर वहां पर जैंसी पानी की स्थिति होती है के अनुसार की जाती है बदले में पंचायत द्वारा कनेक्शनधारियों से शुल्क भी लिया जाता है। इस प्रकार से एक हजार से कम आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र में स्थल जल योजना संचालित की जाती है। इस योजना में ट्यूबवैल का खनन करके उसी में मोटर पंप लगाकर कई नल लगा दिये जाते हैं और ग्रामीणों को स्पाट पर ही पानी दिया जाता है, इस योजना में घरों में कनेक्शन नहीं दिये जाते हैं, लोगों को ट्यूबवैल पर ही लगे नलों से पानी भरना पड़ता है, इस योजना को नल-जल योजना में गांव की आबादी बढ़ने पर परिवर्तित कर दिया जाता है।

खबर संक्षेप

डिंडोरी की रश्मि विश्वकर्मा का MPPSC में Assistant Professor पद पर चयन

डिंडोरी। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक चयन परीक्षा 2022 में डिंडोरी के वार्ड नंबर 1 से रश्मि विश्वकर्मा का हिंदी साहित्य विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। रश्मि की प्रारंभिक शिक्षा जबलपुर में हुई, जबकि विवाह के बाद वे डिंडोरी आकर अपने परिवार के साथ रहने लगीं। गृहिणी होने के बावजूद रश्मि ने अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ा और निरंतर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती रहीं। वर्तमान में वे जबलपुर जिले में उच्च माध्यमिक शिक्षक (वर्ग-1) के रूप में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, रश्मि ने यूजीसी द्वारा आयोजित नेट और जेआरएफ परीक्षाओं में भी सफलता हासिल की है। रश्मि के पति जीतेन्द्र विश्वकर्मा एक कुशल व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं। रश्मि विश्वकर्मा की इस उपलब्धि पर सम्पूर्ण विश्वकर्मा समाज, उनके मित्र और जिले के लोग अत्यंत प्रसन्न हैं तथा उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दे रहे हैं।

मुण्डा के नलों से नहीं निकल रहा जल

हरिभूमि न्यूज जैतहरी जैतहरी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडा में बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे लोग पीएचई विभाग के की लापरवाही की वजह से पानी के लिए ग्रामवासी लाइन लगाकर अपनी बारी का हैंडपंप के सहारे या तालाब से पानी भरना पड़ता है नल जल योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडा में भी लगा है। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि नल जल से गांव में पानी की किल्लत दूर होगी। ज्ञात हो कि विकास यात्रा 25/02/2023 को जल जीवन मिशन अंतर्गत भूमि पूजन भी किया गया था तथा जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत राशि ग्राम पंचायत मुंडा के नल जल योजना मुंडा 94.52 लाख, नल जल योजना आमांडाड 36.44 लाख, नल जल योजना खालबहरा 29.17 लाख आमाडांड और खालबहरा में आज तक चालू ही नहीं हुआ है किंतु अधिकारियों के मनमौजी के कारण आज भी ग्राम पंचायत मुंडा में पानी की समस्या बनी हुई है। यहां ग्रामवासियों को नल जल योजना से कभी पानी मिलता है। लगभग 15 दिनों से ग्राम पंचायत मुंडा में नल से पानी नहीं दिया जा रहा है जिसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन क्रमांक 32647122 पर किया गया है किंतु कार्यवाही नहीं की जा रही है।

8 जून तक बढ़ी हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के आवेदन पत्र भरने की तिथि

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2025 की हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र भरने की तिथि 8 जून तक बढ़ा दी गयी है। पहले यह तिथि 31 मई 2025 तक निर्धारित की गयी थी। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों के लिए 8 जून 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन करने का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। ऑनलाइन परीक्षा आवेदन भरने के लिये पूर्व में जारी किये गये निर्देश यथावत लागू रहेंगे।

कम्प्यूटर सेंटरों की बाढ में फंस रहे बेरोजगार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शासन-प्रशासन के तमाम आदेशों को धता बताते जिले भर में इन दिनों कम्प्यूटर सेंटरो की बाढ़ सी देखी जा रही है जिसमें तमाम युवा बेरोजगारों को ये कम्प्यूटर सेंटरों के संचालक अपनी ओर आकृर्षित कर उनसे मोटी रकम वसूल रहे हैं। यहां तक कि कई सेंटरो द्वारा फर्जी तरीके से ख्याति प्राप्त कालेजो का मोनो व नाम का भी सहारा लिया जाता है। जिले भर में जगह-जगह इन दिनों कम्प्यूटर सेंटरो का आतंक इस कदर हावी है जिसके मकड़जाल में युवा बेरोजगार फंसने से पीछे नहीं है।

मेहरा समाज जन कल्याण संघ उमरिया द्वारा ऐतिहासिक प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम सम्पन्न

शहपुरा (उमरिया)।

ग्राम मानिकपुर में मेहरा समाज जन कल्याण संघ उमरिया ने "शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो" के उद्घोष के साथ एक महत्वपूर्ण पहल की। पहली बार जिले में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह और वृहद कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवा वर्ग में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की दिशा दिखाना था। मेधा छात्रों का मंच पर मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया, जिसे समाज में गर्व का पल माना गया।

इस कार्यक्रम में डॉ. संतोष कुमार सोनकर (इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक), डॉ. विमल राज (केरल), प्रभात रंजन वर्मा (ट्रेनिंग ऑफिसर, उमरिया), राजकुमार महोबिया (शिक्षक एवं समाजसेवी), एवं शंकर सिंह केरमा (उच्च माध्यमिक शिक्षक) जैसे प्रमुख वक्ताओं ने युवाओं को प्रेरित किया। अध्यक्ष बद्रीप्रसाद झारिया ने कहा कि यह आयोजन केवल सम्मान देने का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा को हर घर तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और मातृशक्ति ने सक्रिय भागीदारी निभाई। समापन पर यह संकल्प लिया गया कि यह कार्यक्रम आगामी वर्षों में भी भव्य रूप से आयोजित होगा ताकि हर युवा को शिक्षा के पथ पर आगे बढ़ने का अवसर मिले। कार्यक्रम में जिला उमरिया के कई सामाजिक कार्यकर्ता और ग्राम मानिकपुर के सभी ग्रामीण उपस्थित थे।

जनपद पंचायत बजाग व करंजिया में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित

बैगा जनजाति सहित ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान

डिंडोरी।

जनपद पंचायत बजाग एवं करंजिया में हाल ही में जन समस्या निवारण शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना था।

शिविर में आहार अनुदान, जनधन खाता, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, केवाईसी, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड सहित विशेष रूप से बैगा जनजाति की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना गया और संबंधित विभागों द्वारा मौके पर ही समाधान किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, सहायक आयुक्त संतोष शुक्ला, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। शिविर में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई और आवेदन प्रक्रिया में सहायता भी प्रदान की गई। बैगा जनजाति के लोगों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया गया। प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई गई, जिससे शासन-प्रशासन के प्रति ग्रामीणों में विश्वास और जागरूकता बढ़ी।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा बैठक, विभागीय कार्यों की सख्त समीक्षा और शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश

डिंडोरी।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के विभिन्न विभागों की समय-सीमा बैठक आयोजित कर उनकी गतिविधियों की गहन समीक्षा की। बैठक में डीएफओ पुनीत सोनकर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित कई जिला अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में राजस्व, खनिज, कृषि, खाद्य, पर्यटन, पंचायत, वन, विद्युत समेत अन्य प्रमुख विभागों के लंबित प्रकरणों और योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के कड़े निर्देश दिए।

उन्होंने अवैध खनन, भंडारण और परिवहन की स्थिति की समीक्षा करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में उपयोग हो रहे गौण खनिजों की मात्रा, स्रोत और निकासी तिथि स्पष्ट करने को कहा। मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जिले में चेक पोस्टों की सतत निगरानी हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और तहसीलदारों को नियमित भ्रमण करने के निर्देश भी दिए।

राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरण, धारणाधिकार के मामले तथा बसनिया बांध सर्वे की प्रगति की समीक्षा कर शीघ्र निपटान के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, पीएम जनमन और पीएम जागरूकता जैसी जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। कृषि विभाग के बीज वितरण, खाद की उपलब्धता, मिलिंग प्रक्रिया, खाद्य विभाग के ई-केवाईसी एवं समग्र ई-केवाईसी की स्थिति की समीक्षा भी बैठक में की गई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सीएम हाउस से प्राप्त शिकायतों और जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति पर भी जानकारी ली गई।

पीएमजीएसवाई सड़कों के किनारे वृक्षारोपण के लिए गड्ढे खोदने, सिटी फॉरेस्ट डेवलपमेंट तथा जिला पंचायत की स्थापना शाखा की लंबित फाइलों एवं जांचों की समीक्षा की गई। विद्युत विभाग को वर्षा ऋतु से पूर्व झूलते तारों की मरम्मत और स्थायी समाधान के निर्देश दिए गए। नगर परिषद से संबंधित साफ-सफाई व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया।नर्मदा नदी क्षेत्र में चल रहे कार्य, जिले के पर्यटन स्थलों का विकास और वनाधिकार पट्टों के वितरण की प्रगति की समीक्षा कर सभी निर्माण कार्य 15 जून 2025 तक पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। साथ ही, जिले में अवैध शराब की बिक्री पर पूर्ण रोक लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया गया।

गीधा में मां नर्मदा संगम गोमती घाट से नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा का हुआ शुभारंभ

जल संरक्षण व संवर्धन की दिलाई गई शपथ, स्वच्छता अभियान भी चलाया गया

डिंडौरी ।

विकासखंड बजाग की ग्राम पंचायत गीधा स्थित संगम गोमती नर्मदा घाट पर सोमवार को मां नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा का विधिवत शुभारंभ नर्मदाष्टक एवं मां नर्मदा की आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत घाट परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्री धर्मेंद्र चौहान, विकासखंड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे, नवांकुर संस्था, मेंटर्स, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं नर्मदा सेवा समिति के सदस्य, CMCLDP के छात्र, सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी सहभागियों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई। इस यात्रा का उद्देश्य मां नर्मदा के पथ पर जन जागरूकता फैलाना, जल स्रोतों का संरक्षण करना एवं स्वच्छता को बढ़ावा देना है। इस दौरान ग्रामीणों को जल की महत्ता के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने नर्मदा सेवा के संकल्प को दोहराते हुए पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

गौवंश की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद ने थाना कोतवाली में सौंपा ज्ञापन

डिंडोरी।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की जिला इकाई डिंडोरी ने जिला अध्यक्ष जीतेन्द्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में सभी थाना प्रभारियों के नाम थाना कोतवाली में एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि आगामी 7 जून 2025 को मनाए जाने वाले इस्लामिक त्यौहार बकरीद के दौरान निर्दोष बेजुबान जीवों की बेतहाशा कुर्बानी दी जाती है। परिषद का कहना है कि इस अवसर पर हिन्दू धर्म के पूजनीय गौवंश की भी हत्या कर उनके मांस, चमड़े और हड्डियों का गैरकानूनी व्यापार किया जाता है, जो पूर्णतः प्रतिबंधित है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद ने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि ऐसे त्योहारों या प्रथाओं के नाम पर किसी भी बेजुबान जीव और गौवंश की हत्या न होने दी जाए। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि ऐसा होता है तो संगठन को कड़ा कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बुद्ध ने त्यागा महल, हम त्याग रहे हैं शांति

सत्य की पहचान करें: उदित मुनि नाम साहब का संदेश

डिंडोरी। बजाग में आयोजित सदगुरु कबीर नवोदय यात्रा के अवसर पर कबीर पंथ के 16वें नवोदित वंशाचार्य श्री उदित मुनि नाम साहब ने कबीर चबूतरा के समीप काटे गए पेड़ों पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है।

धर्माचार्य उदित मुनि ने अपने उद्बोधन में कबीर साहब के महान विचारों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा, "बुद्ध ने महल का त्याग किया और शांति प्राप्त की, परन्तु आज हम शांति का त्याग कर महल के पीछे भाग रहे हैं। सत्य की खोज में लगो, धन कमाने में अपना समय व्यर्थ न गवाओ। चरित्र को सुधारो क्योंकि ईश्वर दिखावे या मांगने के मोहताज नहीं हैं, वे आपसे कहीं अधिक बुद्धिमान हैं।"

उन्होंने जीव-जन्तुओं के प्रति दया करने का संदेश देते हुए कहा कि सभी जीवों की रक्षा और सम्मान करना मानव धर्म है। इस आयोजन में कबीर पंथ के भक्तों और अनुयायियों की सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति रही, जिन्होंने धर्माचार्य के विचारों से प्रेरणा प्राप्त की।

जन अभियान परिषद् ने किया नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जनजागरण यात्रा का आयोजन

डिंडौरी न्यूज।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा विकासखण्ड बजाग अंतर्गत दिनांक 01 जून 2025 को नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जनजागरण यात्रा का आयोजन ग्राम पंचायत सुकुलपुरा से प्रारंभ किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य नर्मदा पथ विकास, जनजागरण एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ नर्मदा जी के पूजन से हुआ, जिसके पश्चात उपस्थित जनसमुदाय द्वारा नर्मदा तट पर श्रमदान किया गया। इस अवसर पर नवागत जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान, विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे, श्री शिवकुमार धुर्वे, श्री खिलावन सिंह गौतम, श्री गुरुदास कुलदीप, श्री सूरज लाल नंदा, श्री विमल रौतेल, श्री भानसिंह मरकाम, स्थानीय पंचायतों के सरपंच, सचिव, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष व सचिव, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

चौपाल में जिला समन्वयक श्री चौहान ने परिक्रमा वासियों के लिए पथ निर्माण, रैन बसेरा, घाट निर्माण तथा नर्मदा समिति के गठन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही नर्मदा पथ सर्वेक्षण फार्मेट की जानकारी भी दी गई। यह जनजागरण यात्रा ग्राम पंचायत सुकुलपुरा से प्रारंभ होकर सुन्हादादर, कौडिया, खरगहना और कारोपानी गांवों तक आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय जनसमुदाय की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।कार्यक्रम ने नर्मदा तट के संरक्षण और जनसहभागिता के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता को सशक्त संदेश दिया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 3 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

दीपक प्रदेश महामंत्री बने

तेंदूखेड़ा। विगत दिनों वन कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन भोपाल में आयोजित की गई। जिसमें वन कर्मचारी संघ की नवीन कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें दीपक शर्मा नाकेदार को संघ के महामंत्री पद का दायित्व पुनः सौंपा गया है। दीपक शर्मा के मनोनयन पर तेंदूखेड़ा क्षेत्र के शुभचिंतकों द्वारा बधाईयां प्रेषित की जा रही है। गौरतलब रहे कि श्री शर्मा मिलनसार छवि के साथ कर्मचारियों के हितों को लेकर सदैव सक्रिय बनें रहते हैं।

नहीं रहे भूरे दादा

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा ग्राम पंचायत से लेकर नगर परिषद के गठन तक चपरासी के रुप में अपनी विशिष्ट सेवाएं देने वाले भूरे लाल घोषी जिन्हें लोग भूरे दादा के नाम से जानते थे। ग्राम पंचायत के समय में भूरे लाल घोषी कांजी हाउस के प्रभारी रहे हैं। रविवार को उनका निधन हो जाने पर सोमवार को नगर के सभी वर्गों के लोगों द्वारा अपनी अपनी श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी गई।

कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीराम कथा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय रामनगर कालोनी में संगीतमय श्रीरामकथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिवस कथा व्यास पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज द्वारा भव्य कलश यात्रा के साथ 11 जून तक चलने वाली नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का शुभारंभ किया गया। कथा के प्रथम दिवस महाराज श्री द्वारा भगवान श्रीराम कथा की महिमा का बखान किया गया और इसके महत्व के बारे में बताया गया। श्री राम कथा के व्यास ने कहा कि श्रीरामचरितमानस न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है बल्कि, यह जीवन के महत्वपूर्ण सबक भी सिखाती है जिसे आत्मसात कर कोई भी व्यक्ति अपना जीवन पूरी तरह से बदल सकता है। कार्यक्रम में संगीत और भजनों के माध्यम से श्री राम कथा को प्रस्तुत किया गया।

किराए के मकान में मिला इंजीनियर का शव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीती रात जिले की जनपद पंचायत करेली मे पदस्थ सब इंजीनियर गीतेश रहंगडाले उम्र 24 वर्ष का शव रविवार रात उनके किराए के मकान में मिला। बालाघाट जिले के कटंगी क्षेत्र के मूल निवासी गीतेश पिछले एक वर्ष से करेली में कार्यरत थे। सूचना मिलते ही करेली थाना प्रभारी प्रियंका केवट पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ कर दी। प्राथमिक जांच में साइलेंट हार्ट अटैक की संभावना बताई जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सहकर्मियों के अनुसार, गीतेश आखिरी बार शुक्रवार को जिला पंचायत की एक बैठक में देखे गए थे। उसके बाद से वह किसी को नहीं मिले। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

अधिकारियों ने दिया आश्वासन, जल्द होगा समस्या का निराकरण

विद्युत समस्या को लेकर कांग्रेसजनों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में लगातार हो रही विद्युत कटौती से किसान व आम नागरिक परेशान है जिसे लेकर कांग्रेसजनों द्वारा किसानों को जिलेवासियों के हित में प्रदर्शन कर विद्युत विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। अधिकारियों द्वारा ज्ञापन लेकर आश्वासन दिया गया कि शीघ्र विद्युत समस्या से निदान करने की बात कही गई। धरना प्रदर्शन के दौरान अधिकारी एवं प्रदर्शनकारियों की बीच तीखी नोकझोंक भी हुई जिसमें अधिकारियों को खरी खोटी सुनाई गई।जिला कृषि प्रधान होने के कारण विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता महत्वपूर्ण होती है। बिजली पर्याप्त ना मिलने के कारण किसानों के उत्पादन में भी असर पड़ रहा है। वही बिजली कटौती के कारण आमजन भी परेशान है। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती जा रही अघोषित विद्युत कटौती को लेकर युवा कांग्रेस एवं एनएसएसआई ने विद्युत विभाग के झिरना स्थित कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। विद्युत विभाग एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की साथ ही विद्युत विभाग कार्यालय के गेट पर धरना दिया गया। धरना स्थल पर विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों ने पहुंचकर ज्ञापन लेकर विद्युत समस्या को ठीक करने का विश्वास दिलाया।

अधिकारियों को सुनाई खरी खोटी

धरना प्रदर्शन के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं प्रदर्शनकारियों के बीच कहा सुनी हुई जिसमें प्रदर्शनकारियों ने विभाग के अधिकारियों को खरी - खरी सुनाई, कई प्रश्नों और समस्याओं का उत्तर विभाग के अधिकारी नहीं दे पाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग के निकम्मेपन के कारण जिलेवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है रोज ही घंटों चाहे जब बिजली बंद रहती है भारी भरकम बिल आ रहे हैं वहीं अनेक किसानों ने ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत समस्या से अवगत कराया। बताया कि बिजली न मिलने के कारण गन्ना और मूंग की फसल को भारी नुकसान हो रहा है। जिससे किसानों की आय पर सीधा असर हुआ है। वही किसानों से बिल वसूलने मे अधिकारियों द्वारा सख्ती दिखाई जा रही है।

बिजली गोल होने से बढ़ती है परेशानी

अतुल चैरसिया, रोहित पटेल ने बताया कि नरसिंहपुर शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है। बिना टाइम टेबिल के विद्युत कटौती करने से आम जनता बहुत परेशान है, जिससे आवश्यक कार्य रुक जाते है, विद्युत कटौती कभी कभी तो सुबह - सुबह कर दी जाती है जो कि नल आने का समय होता है और सभी लोग पानी भरकर दिन भर उपयोग करते है, और उसी समय विद्युत कटौती कर दी जाती है। इस गर्मी के मौसम में पानी की कितनी जरूरत होती है, ये कहने की जरूरत नहीं है। अघोषित विद्युत कटौती करने से बिजली के उपकरण खराब हो रहे है, जिससे जनता में रोष है। ज्ञापन में मांग की गई है कि मांगों को पूर्ण करते हुए अघोषित विद्युत कटौती पर रोक लगाई जावे या फिर समय निश्चित किया जावे।अघोषित विद्युत कटौती तुरंत प्रभाव से बंद की जावे। जहां जहां वोल्टेज की समस्या है, उसका निदान तुरंत किया जावे।

ये रहे मुद्दे

नरसिंहपुर शहर उपसंभाग के तहत झिरना सब स्टेशन टाउन-1, टाउन-2, टाउन-8 फीडर, जेल रोड सब स्टेशन से सांकल रोड, जेल रोड, स्टेशन रोड फीडर एवं नकटुआ सब स्टेशन से टाउन-3, टाउन-4 फीडर पर पृथक पृथक मेंटेनेंस टीम व कॉल सेन्टर की व्यवस्था की जावे, सभी फीडर के फीडर इंचार्ज (लाईन स्टाफ) का मोबाइल नंबर पृथक - पृथक दिया जाए, जिससे विद्युत व्यवस्था की जानकारी ली जा सके, 3 सब स्टेशन में 3 वाहनों की व्यवस्था मेंटेनेंस हेतु सुनिश्चित की जावे, एफ ओसी टीम के साथ एक नियमित कर्मचारी का होना सुनिश्चित करें। प्राइवेट कर्मचारियों के भरोसे एफओसी टीम का संचालन चल रहा है। क्या प्राइवेट कर्मचारियों को परमिट मिलना उचित है। यदि उचित है तो उनकी परमिट सूची संलग्न की जाए आदि मांगों को लेकर चर्चा कर ज्ञापन दिया गया।

इनकी रही उपस्थिति

उक्त मौके पर सुनील जायसवाल, नीलू राय, कनछेदी पटेल, धनीराम पटेल, जग्गी सोनी, सुनील श्रीवास्तव, लोकेश पटेल, प्रतिराज प्रजापति, अस्सू नेमा, अमित श्रीवास्तव, पलाश पटेल, आशीष दुबे, मुकेश कटारे, आशीष राजवैद्य, बाबी खान, यासीन मनचला, अतुल चैरसिया, अजय दुबे, रोहित पटेल, विवेक पटेल, ईशान राय, अंकुर बटरी, मिक्की राय, गोल्डी खान, रफीक नूरानी, नारायण महोबिया, मुकेश कटारे, मनोज राव, सुनील श्रीवास्तव, विशाल राय, शिवम पाठक, गोलू बरडिया, मुकेश जैन, अंकित श्रीवास्तव, राजीव राणा, अभिषेक प्रजापति, प्रियंक कहार, सौरभ रिछारिया, जितेंद्र लोधी, अरविंद शर्मा, राजा ठाकुर, अमित शुक्ला, अभिषेक गुप्ता, अनुज चैरसिया, विजेंद्र पटेल, अन्नी यादव, पप्पू महाराज, अक्षय बटरी, वासु गुप्ता के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

कृषि उद्योग समागम के सफल आयोजन के लिए माना आभार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिले में 26 मई से 28 मई तक तीन दिवसीय कृषि उद्योग समागम के सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने दिन रात मेहनत कर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और मीडिया के साथियों ने भी अपना सहयोग दिया।इसके लिए सभी का आभार। यह बात कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में मौजूद जिला स्तरीय अधिकारियों से कही। इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, समस्त एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े हुए थे। बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि यह अभियान 30 जून तक चलेगा। अधिकारियों की कोशिश यह रहे कि जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में बेहतर से बेहतर कार्य करे। जल संरचनाओं के निर्माण और उनके रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। यह अभियान शासन की प्राथमिकताओं में से एक है। इसे जन सहयोग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से वृहद स्वरूप प्रदान किया जाए। इसके अलावा उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की।इस दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि जिन विभागों की ग्रेडिंग सी और डी में है उसे सुधारे और जो विभाग बी श्रेणी में है वे ए ग्रेड में आने के लिए प्रयास करे। शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण हो इस बात का ध्यान रखें।

शिक्षण विमर्श कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन और छात्र-छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास की दिशा में शासन की महत्वपूर्ण योजना कॉलेज चलो अभियान के उद्देश्य से एम आई एम टी कॉलेज नरसिंहपुर मे शैक्षणिक विमर्श 2025 की श्रृंखला लगातार छात्र-छात्राओं को लाभान्वित कर रही है। इसी क्रम में विधि संकाय के छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने जिले के अधिवक्ताओं से मार्गदर्शन प्राप्त किया। विमर्श कार्यक्रम मे विषय विशेषज्ञ एड. भानू प्रकाश श्रीवास्तव, एड. प्रमोद दुबे, एड. सुलभ जैन, एड.विष्णु श्रीवास्तव,एवं एड. जया शर्मा ने विधि क्षेत्र में रोजगार हेतु सिविल, क्रिमिनल, रेवेन्यू, कम्पनी, कॉर्पोरेट, तथा विभिन्न फोरम अंतर्गत वकालत के अलावा कानूनी सलाहकार पत्रकारिता, पीएससी , यूपीएससी, सरकारी वकील, विधि विश्लेषक, विधि शिक्षक, न्यायिक सेवाऐं, विधि आर्मी कोर, लीगल सर्विसेज, विधि शोधकर्ता एवं विधिक सेवा प्राधिकरण में छात्र-छात्राओं को भविष्य निर्माण हेतु प्रेरित किया। आमंत्रित अधिवक्ता उमेश नेमा, प्रदीप पुरोहित, मनीष टुटेजा, सुधीर दुबे, राजेन्द्र शर्मा सहित जेल प्रशासन से अजय डेहरिया ने छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग हेतु महाविद्यालय द्वारा स्थापित विभागवार हेल्पडेस्क का भ्रमण किया। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने महाविद्यालय की विकास यात्रा के 26 सफलतम वर्ष पूर्ण होने पर अभिभावकों विभिन्न विद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं को उनके सहयोग के प्रति आभार प्रगट करते हुए उनके सुझावों को आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय द्वारा उक्त आयोजन म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के कालेज चलो अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से किया जा रहा है जिससे कोई भी छात्र-छात्रा प्रवेश से वंचित न रह जाए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पराग नेमा एवं आभार श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. एसएन राव, श्रीमती अनीता रघुवंशी, डॉ. दीपिका शर्मा, जी डी उमरे एवं सुश्री विजेता सिधना सहित स्टाफ मेम्बर्स एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

साइकिल रेस का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस काया योग एवं जुंबा फिटनेस सेंटर द्वारा साइकिल रेस का आयोजन किया गया। आयोजन समीति द्वारा बताया गया कि 3 जून को सारी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मनाती ताकि, लोग जो धीरे-धीरे निष्क्रिय हो रहे और वाहन आदि में चलकर अपनी सेहत व पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे उसमें कुछ कमी की जा सके। इसके अलावा साइकिल चलाने से यातायात और भीड़भाड़ में भी सुधार लाया जा सकता जो आजकल बड़े शहरों की बहुत बड़ी समस्या बनती जा रही है। इस उद्देश्य से काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह व नमिता जनोरिया ने विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर काया जनकल्याण समिति के सदस्यों डॉ राजश्री पटेल, रचना त्रिवेदी, प्रियंका शर्मा, पूनम धुर्वे, आरती सिंह व सक्रिय काया मेंबर्स उर्वशी पाठक, अंजली नेमा, मुस्कान धुर्वे आदि के सहयोग से अलग-अलग आयुवर्ग के बच्चों की साइकिल रेस आयोजित की। समिति के सदस्यों ने कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है बल्कि, यह पर्यावरण के लिए भी अच्छा है। साइकिल रेस में भाग लेने वाले बच्चों में ओजस्वी जनोरिया, शिक्षा अहिरवार, सृष्टि पटेल, प्राची बृंदा, माया साहू, श्रेयांश कुमार, आर्यन साहू, हर्षिका साहू, श्रेया बृंदा, अतिन नेमा, वेदिका पाठक, महक धुर्वे, समर्थ यादव, कनिका पटेल, जूही सिंह आदि ने उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इस दौरान समिति ने बच्चों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया और उन्हें साइकिल चलाने के फायदों के बारे में भी बताया और उन्हें नियमित रूप से साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित किया। साइकिल रेस में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अलग-अलग आयुवर्ग के बच्चों वेदिका पाठक, अतिन नेमा, श्रेया बृंदा, प्राची बृंदा, श्रेयांश कुमार, कनिका पटेल, महक धुर्वे, हर्षिका साहू को समिति सदस्यों के द्वारा स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक वितरित किए गए तथा समस्त प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन के लिए सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये गए। समिति के सदस्यों ने बच्चों को बधाई दी और उन्हें भविष्य में भी साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

रोड निर्माण की मांग सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ग्राम पंचायत देवरीकलां के मलाह टोला के ग्रामवासियों ने डिप्टी कलेक्टर मनोज चैरसिया को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने सुरगी से मलाह टोला तक सड़क निर्माण की मांग की है। सरपंच ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है। जेसीबी मशीन से प्रारंभिक खुदाई का काम भी पूरा हो चुका है। निर्माण सामग्री भी मौके पर पहुंच चुकी है। लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। मलाह टोला के लिए यह एकमात्र रास्ता है। बरसात का मौसम नजदीक है और सड़क न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्कूली बच्चों, बीमारों और गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। कुछ समय पहले एक प्रसूता को डोली में ले जाते हुए मीडियाकर्मियों ने वीडियो बनाया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इससे प्रशासन का ध्यान इस ओर गया था। लेकिन निर्माण कार्य नही हो सका। रोड का शीघ्र निर्माण कराया जाए।

रोजगार सहायकों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ग्राम रोजगार सहायकों ने जिला पंचायत में परियोजना अधिकारी व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। रोजगार सहायकों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि 15 दिन में मांगें न माने जाने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी दी है। रोजगार सहायकों का कहना है कि वे 15 साल से पंचायत स्तर पर काम कर रहे हैं। वे पंचायत योजनाओं के क्रियान्वयन में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से योगदान दे रहे हैं। उनका आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारी सिर्फ उन्हें ही निशाना बना रहे हैं। इससे उनका मानसिक और शारीरिक शोषण हो रहा है। कटनी और रीवा जिलों में कई रोजगार सहायकों को बिना कारण बताए पद से हटाया गया है। उनका मानदेय भी रोका गया है। रोजगार सहायकों का कहना है कि योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सिर्फ उनकी नहीं है। अन्य पंचायत कर्मी और जनप्रतिनिधियों की भी बराबर की जवाबदेही होनी चाहिए। तीन महीने में 30 से ज्यादा रोजगार सहायकों की मौत हुई है। सरकार ने न तो मृतकों के परिवार को आर्थिक मदद दी है और न ही अनुकंपा नियुक्ति की है। रोजगार सहायकों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे कलम और कंप्यूटर बंद कर आंदोलन शुरू कर देंगे।

रंगाई-पुताई में लाखों खर्च फिर मंडी परिसर में पसरी गंदगी

तेंदूखेड़ा। इन दिनों भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी कृषि उपज मंडी सुर्खियों में बनी हुई है। नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों की मिली भगत के चलते केवल लाभांश की राशि का अनावश्यक खर्च कर स्वयं के हितों को साधा जा रहा है।जिन निर्माण कार्यों से ना तो किसानों को फायदा हो रहा है और ना ही आवश्यक है उन्हें प्राथमिकता से इसलिए करवाया जा रहा है कि उसमें सबकी अलग-अलग व्यवस्था है।दो करोड़ रुपए की लागत से 36 दुकानें निर्माण के भ्रष्टाचार की परतें खबरों के माध्यम से सुर्खीयों में चल रही कृषि उपज मंडी तेंदूखेड़ा परिसर में लगभग 30 लाख रुपए की राशि से पूरे परिसर की पुताई चल रही है। लेकिन सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यह बनीं हुई है कि पूरी मंडी परिसर में गंदगी पसरी हुई है।इस तरफ मंडी प्रबंधन और अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है।जो चेक पोस्ट कल तक असहाय लोगों के आश्रय स्थल बनें रहें जिस केंटीन में असामाजिक तत्व शराब खोरी और अनैतिक गतिविधियों की शरणस्थली बनीं रहीं अब उन्हें चमकाया जा रहा है आखिर किसलिए इनका कहीं कोई भी उपयोग ही नहीं है। लाखों रुपए खर्च करके मंडी के दोनों तरफ गेट लगवाये गये लेकिन 24 घंटे खुले पड़े रहने कोई उचित रख

रखाव की व्यवस्था ना हो पाने के कारण मंडी परिसर केवल असामाजिक तत्वों की शरणस्थली बनीं हुई है। और विभिन्न जिंसों की आवक के बाबजूद भी मंडी परिसर में घोष विक्रय नहीं हो पा रहा है। किसान अपनी उपज दूसरी अन्य मंडियों में फसल ले जाकर बेचने मजबूर बनें हुए हैं। कृषकों का कहना है कि जब मंडी में किसानों को सुविधाओं के साथ घोष विक्रय ही नहीं हो रहा है तो फिर मंडी में करोड़ों रुपए खर्च करने के पीछे कौन सा कारण है।